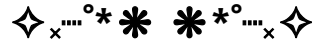




শ্রী বেংকটেশ মংগলাশাসনম্
Sri Venkatesha Mangalasanam
in bengali



॥ श्री बेङकटेश मंगलाशासनम् ॥

श्रियः कांताय कल्याणनिधये निधयेहर्षिनाम् ।
श्रीबेङकट निवासाय श्रीनिवासाय मंगलम् ॥ 1 ॥

लक्ष्मी सविभ्रमालोक सुभ्रु विभ्रम चक्षुषे ।
चक्षुषे सर्वलोकानां बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 2 ॥

श्रीबेङकटाद्रि शृंगाग्र मंगलाभरणांघ्रये ।
मंगलानां निवासाय श्रीनिवासाय मंगलम् ॥ 3 ॥

सर्वावयव सौंदर्य संपदा सर्वचेतसाम् ।
सदा सम्मोहनायास्तु बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 4 ॥

नित्याय निरवद्याय सत्यानंद चिदात्तुने ।
सर्वांतरात्तुने श्रीमद्-बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 5 ॥

स्वत स्सर्वविदे सर्व शक्तुये सर्वशेषिणे ।
सुलभाय सुशीलाय बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 6 ॥

परस्मै ब्रह्मणे पूर्णकामाय परमात्तुने ।
प्रयुंजे परतत्त्वाय बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 7 ॥

आकालतद्ग मश्रांत मात्तुना मनुपश्याताम् ।
अतृप्त्यमृत रूपाय बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 8 ॥

प्रायः स्वचरणौ पुंसां शरण्यत्वेन पाणिना ।
कृपयाहंदिशते श्रीमद्-बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 9 ॥

दयाहमृत तरंगिण्या स्तरंगैरिव शीतलैः ।
अपांगै स्सिंचते विश्वं बेङकटेशाय मंगलम् ॥ 10 ॥

স্রগ-ভূষাংবর হেতীনাং সুষমাংহবহমূর্তযে ।
সর্বার্তি শমনাযাস্তু বেংকটেশায মংগলম্ ॥ 11 ॥

শ্রীবৈকুংঠ বিরক্তায় স্বামি পুঙ্করিণীতটে ।
রমযা রমমাণায বেংকটেশায মংগলম্ ॥ 12 ॥

শ্রীমত্-সুংদরজা মাতৃমুনি মানসবাসিনে ।
সর্বলোক নিবাসায শ্রীনিবাসায মংগলম্ ॥ 13 ॥

মংগলা শাসনপরৈর্-মদাচার্য পুরোগমৈঃ ।
সর্বৈশ্চ পূর্বৈরাচার্যৈঃ সত্কৃতযাস্তু মংগলম্ ॥ 14 ॥

শ্রী পদ্মাবতী সমেত শ্রী শ্রীনিবাস পরব্রহ্মণে নমঃ



Free download PDF of all types of mantra, stotram,vandana,arati: chalisapdf.net